Model Answer

Que What are global commons? Highlight the issues faced by them.

Global commons are areas and resources that are not confined to the jurisdiction of any one nation but are shared by the entire global community. Geopolitically, they include the atmosphere, high seas, Antarctica, and outer space, and recently, tropical rainforests and biodiversity have also been considered as part of the global commons. Economically, global commons represent shared resources that can be exploited by some at the expense of others, necessitating international cooperation for governance and protection.

Global commons are vital for environmental and socioeconomic stability.

- They support marine biodiversity, climate regulation, scientific research, communication, and food security.
- One-third of the global population depends on these resources for survival.
- They aid water regulation, soil fertility, and climate resilience, with indigenous lands storing over 293,061 million metric tonnes of carbon.
- In India, commons contribute $5 billion annually to rural incomes, sustaining 77% of livestock through grazing systems.

Challenges in Protecting Global Commons

1. **Tragedy of the Commons**
    - Individuals exploit shared resources for personal gain, leading to their depletion.
    - Example: Rapid decline of common lands in India, affecting soil, biodiversity, and water availability.
2. **Jurisdictional Issues**
    - Absence of clear ownership complicates enforcement of international laws.
    - Challenges include plastic pollution, overfishing, and greenhouse gas emissions.
    - Lack of uniform capacity among nations to address these issues effectively.
3. **Environmental Degradation**
    - Pollution, overfishing, and climate change disrupt ecosystems.
    - Example: The loss of 60% of biodiversity due to mismanagement.
4. **Economic Pressures**
    - Nations prioritize economic gains over environmental sustainability.
    - Examples:
        - Deforestation for timber without reforestation.
        - Unsustainable mining operations leading to habitat destruction.

Efforts for Governance and Protection

1. **International Laws and Agreements**
    - **UNCLOS (1982):** Regulates ocean usage and promotes marine conservation.
    - **Antarctic Treaty (1959):** Designates Antarctica as a scientific preserve.
    - **Outer Space Treaty (1967):** Ensures peaceful use of outer space.
    - **Montreal Protocol (1987):** Addresses ozone layer depletion.
2. **Global Organizations**
    - **United Nations (UN):** Through UNEP and IMO, coordinates environmental protection efforts.
    - **International Whaling Commission (IWC):** Regulates whaling and conserves marine species.
    - **World Trade Organization (WTO):** Addresses environmental concerns in trade policies.

The global commons are indispensable for the survival of humanity and the planet. However, they face severe threats from overexploitation, environmental degradation, and weak governance mechanisms.

वैश्विक संसाधन (Global Commons) क्या हैं? इनके समक्ष आने वाली समस्याओं पर प्रकाश डालें।

वैश्विक संसाधन ऐसे क्षेत्र और संसाधन हैं जो किसी एक राष्ट्र के अधिकार क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे विश्व द्वारा साझा किए जाते हैं। भू-राजनीतिक रूप से, इनमें वायुमंडल, बाह्य समुद्र, अंटार्कटिका और बाह्य अंतरिक्ष शामिल हैं, और हाल ही में, उष्णकटिबंधीय वर्षावन और जैव विविधता को भी वैश्विक संसाधन का हिस्सा माना गया है। आर्थिक रूप से, वैश्विक संसाधन साझा संसाधनों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिनका कुछ लोग दूसरों की कीमत पर दोहन कर सकते हैं, जिसके लिए शासन और संरक्षण हेतु अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता होती है।

पर्यावरणीय और सामाजिक-आर्थिक स्थिरता के लिए वैश्विक संसाधन महत्वपूर्ण हैं।

- *वे समुद्री जैव विविधता, जलवायु विनियमन, वैज्ञानिक अनुसंधान, संचार और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।*
- *वैश्विक आबादी का एक तिहाई हिस्सा जीवित रहने हेतु इन संसाधनों पर निर्भर करता है।*
- *वे जल विनियमन, मृदा उर्वरता और जलवायु सततता में सहायता करते हैं, स्वदेशी भूमि 293,061 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक कार्बन संग्रहीत करती हैं।*
- *भारत में, कॉमन्स ग्रामीण आय में सालाना 5 बिलियन डॉलर का योगदान देता है, जो चराई प्रणालियों के माध्यम से 77% पशुधन का समर्थन करता है।*

वैश्विक संसाधनों की सुरक्षा में चुनौतियाँ

- ***'साझा संसाधनों की त्रासदी'***
    - *मनुष्य निजी लाभ हेतु साझा संसाधनों का दोहन करते हैं, जिससे उनका ह्रास होता है।*
    - *उदाहरण: भारत में सार्वजनिक भूमि का तेजी से ह्रास हो रहा है, जिससे मिट्टी, जैव विविधता और जल उपलब्धता प्रभावित हो रही है।*
- ***क्षेत्राधिकार संबंधी मुद्दे***
    - *स्पष्ट स्वामित्व का अभाव अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रवर्तन को जटिल बनाता है।*
    - *चुनौतियों में प्लास्टिक प्रदूषण, अत्यधिक मछली दोहन और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन शामिल हैं।*
    - *इन मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने हेतु देशों के बीच समान क्षमता का अभाव।*
- ***पर्यावरण का क्षरण***
    - *प्रदूषण, अत्यधिक मछली दोहन और जलवायु परिवर्तन पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित करते हैं।*
    - *उदाहरण: कुप्रबंधन के कारण 60% जैव विविधता का क्षरण।*
- ***आर्थिक दबाव***
    - *राष्ट्र पर्यावरणीय स्थिरता की तुलना में आर्थिक लाभ को प्राथमिकता देते हैं।*
    - *उदाहरण:*
        - *पुनर्वनरोपण के बिना इमारती लकड़ी हेतु वनोंमूलन।*
        - *अस्थिर खनन के कारण आवास का क्षय हो रहा है।*

शासन एवं संरक्षण हेतु प्रयास

- ***अंतर्राष्ट्रीय विधियां एवं समझौते***
  - ***UNCLOS (1982):*** *समुद्री उपयोग को नियंत्रित करता है और समुद्री संरक्षण को बढ़ावा देता है।*
  - ***अंटार्कटिक संधि (1959):*** *अंटार्कटिका को वैज्ञानिक संरक्षण क्षेत्र के रूप में नामित करता है।*
  - ***बाह्य अंतरिक्ष संधि (1967):*** *बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग को सुनिश्चित करता है।*
  - ***मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल (1987):*** *ओजोन परत के क्षरण को संबोधित करता है।*
- ***वैश्विक संगठन***
  - ***संयुक्त राष्ट्र (UN):****UNEP एवं IMO के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण प्रयासों का समन्वय करता है।*
  - ***अंतर्राष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग (IWC):*** *व्हेलिंग को नियंत्रित करता है और समुद्री प्रजातियों का संरक्षण करता है।*
  - ***विश्व व्यापार संगठन (WTO):*** *व्यापार नीतियों में पर्यावरण संबंधी चिंताओं को संबोधित करता है।*

मानवता और ग्रह के अस्तित्व के लिए वैश्विक संसाधन अपरिहार्य हैं। हालांकि, उन्हें अत्यधिक दोहन, पर्यावरण क्षरण और कमज़ोर शासन तंत्र से गंभीर खतरों का सामना करना पड़ रहा है।

Samyak
An Institute For Civil Services